# सूर्या फाउण्डेशन
# आदर्श गाँव योजना

द्वारा

मासिक ई-पत्रिका-अंक 1

जून-2020

# चयनित आदर्श गाँव

## मेरा गाँव
## मेरा बड़ा परिवार

Click here
suryaadarshgaonyojna | surya10idealvillage
suryafoundation1 suryafnd surya_foundation suryafoundation suryafoundation.org

संदेश

# चेयरमैन का मनोगत...

## पद्मश्री
## श्री जयप्रकाश

भारत गाँवों का देश है। आज देश की लगभग तीन चौथाई जनसंख्या गाँवों में रहती है। अर्थव्यवस्था का केन्द्र गाँव ही है। सब्जी, अनाज आदि की निर्भरता गाँवों पर ही है। ग्राम विकास का मतलब गाँवों को शहरीकरण करना नहीं है, बल्कि गाँव में जीवन उपयोगी साधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। हम चाहते हैं कि गाँव संस्कृति, आस्था और लोक कला केन्द्र के साथ स्वावलम्बी भी बने।

सूर्या फाउण्डेशन इन्ही सब बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए देशभर के चयनित गाँवों में ग्राम विकास का काम पिछले कई वर्षों से कर रहा है। अब तक देश के कई गाँवों के उदाहरण हम सबके सामनें निकलकर आए हैं। संस्कार, शिक्षा, समरसता, स्वच्छता, नशामुक्ति, जैविक कृषि, महिला सशक्तीकरण, युवा निर्माण के द्वारा परिणाम आने शुरू हो गए हैं। हम चाहते हैं कि गाँव में लोग प्रसन्न रहें और एक दूसरे के सुख-दु:ख में एक साथ खड़े हों।

## चयनित आदर्श गाँव टीम और उनके गाँव

रवि तिवारी
गाँव- पेण्ड्री
राजनांदगाँव, छत्तीसगढ़
मो. 9111994072

अजीत सिंह
गाँव- फफूँडा
मेरठ, उत्तर प्रदेश
मो. 9518258050

पप्पू कुमार
गाँव- नगलावर
मथुरा, उत्तर प्रदेश
मो. 8709647183

रामकोमल
गाँव- लोनाँव
गोरखपुर, उत्तर प्रदेश
मो. 7905091388

अरुण कुमार
गाँव- नयागाँव
झज्जर, हरियाणा
मो. 7983964125

केन्द्रपाल
गाँव- नांदियाकल्ला
जोधपुर, राजस्थान
मो. 9131043393

नरेन्द्र रघुवंशी
गाँव मुण्डला+सलोई
मध्य प्रदेश
मो. 9131718157

दीपचन्द
गाँव- कादीपुर
वाराणसी, उत्तर प्रदेश
मो. 9140936723

राजेन्द्र कुशवाहा
गाँव- बसई
उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड
मो. 9584937080

# 1 तालाबों द्वारा किया जा रहा जल संरक्षण - पेण्ड्री, राजनांदगाँव (छ.ग.)

**सूर्या फाउण्डेशन** द्वारा दक्षता वर्ग का आयोजन पेण्ड्री गाँव में किया गया। कुछ अनुभवी कार्यकर्ताओं के सुझाव गाँव की जल व्यवस्था के विषय में आए थे। गाँव का गंदा पानी तालाब में जाता था, उसे तालाब में जाने से रोका जाए जिससे तालाब का पानी साफ रहे, जिसका उपयोग ग्रामवासी अपने दैनिक जीवन के लिए करते हैं। गाँव के गंदे पानी को एक जगह एकत्रित कर अन्य कामों के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए। इस सुझाव को पूरा करनें के लिए गाँव के सेवाभावी कार्यकर्ताओं नें आश्वासन दिया। 'यह कार्य हम जल्द ही पूरा करेंगे।'

गाँव के जल की समस्या को दूर करनें के लिए सेवाभावियों एवं पंचायत द्वारा प्रयास शुरू किया गया। पूरे गाँव के गंदे पानी को एक स्थान पर एकत्र करने के लिए पूरे गाँव में नालियों का निर्माण किया गया। तालाब में जाने वाले गंदे पानी को रोक लिया गया है। नालियों के माध्यम से गाँव का पानी एक जगह एकत्रित किया जाता है, और पानी को खेतों में उपयोग किया जाता है। स्वच्छ तालाब का पानी पशुओं को पिलानें व स्नान कराने के काम में लिया जाता है।

कोरोना महामारी के समय राजनांदगाँव जिले के पेण्ड्री गाँव में सेवाभावी कार्यकर्ताओं के प्रयास से प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष संत कबीर जयंती मनाई गई जिसमें लोगों ने सामाजिक दूरी का पूरा ध्यान रखा। साथ ही गाँव के प्रमुख लोगों के प्रयास से पेण्ड्री गाँव के मुख्य मार्ग, विद्यालय और पंचायत परिसर में पीपल और बरगद के पौधे लगाए गए हैं। पौधों की सुरक्षा के लिए ग्राम वासियों नें ट्री-गार्ड बनवाकर लगाये हैं। जिससे पौधे सुरक्षित रहें साथ ही इन पौधों की पूरी जिम्मेदारी कबीर समिति के सदस्यों नें ली है। श्री सदगुरु कबीर सत्संग सेवायोग आश्रम समिति पेण्ड्री नें प्रधानमंत्री राहत कोष (कोरोना महामारी संकट हेतु) में 11,000 रुपये नगद राशि भी जमा की है।

और अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें Click Here

# 2 सेवाभावियों ने किया मास्क और राशन वितरण - फफूँडा, मेरठ (उ.प्र.)

**श्री पप्पू प्रधान**
**सेवाभावी**

जैसा कि हम सभी जानते हैं इस वक्त पूरी दुनियाँ कोरोना महामारी से जूझ रही है, भारत में भी इसका अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ा है। कामगारों का काम छिन जाने के कारण लोगों को खाने-पीने का सामान और जरूरी वस्तुएँ जुटाने के लिए मुश्किलें आ रही हैं। खासकर मजदूर वर्ग जिनके पास स्थाई कार्य नहीं है, उनको इस बीमारी से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। इसी को देखते हुए आदर्श गाँव फफूँडा के कई सेवाभावी कार्यकर्ता आगे आए हैं। किसी नें अनाज वितरण किया तो किसी ने मास्क और सेनिटाइजर का वितरण किया।

सबसे आगे बढ़कर गाँव के लोगों की मदद के लिए खड़े हुए सेवाभावी श्री पप्पू प्रधान जी, उनके मन में वेदना जगी और संकट में जूझ रहे लागों के सहयोग में सबसे आगे बढ़कर खड़े हुए। ऐसे परिवार जिनकी आमदनी कम है या उनका काम कोरोना महामारी के चलते बंद हो गया है, ऐसे 1000 परिवारों को एक महीने का राशन वितरण किया। इसी तरह गाँव के सेवाभावी श्री विकास भड़ाना और सूर्या सिलाई केन्द्र की मदद से गाँव में मास्क, निशुल्क वितरण किया गया, इससे कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद मिली है।

और अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें Click Here वीडियो देखें Click Here

# 3 इम्युनिटी बढ़ाने के लिए योग अभ्यास जरूरी - नगलावर, मथुरा (उ.प्र.)

अभी तक कोरोना का कोई भी इलाज नहीं मिल पाया है, इसलिए कोरोना से बचाव ही एकमात्र उपाय है। कोरोना को हराने के लिए अपनी रोग प्रतिरोधक शक्ति बढानी आवश्यक है। जिसके लिए नित्य योग अभ्यास करना, आयुष मंत्रालय द्वारा सुझाया काढ़ा तथा गरम पानी पीना, सबसे सरल उपाय है। दुनियाँ के लिए यह एक समस्या होगी किन्तु नगलावर गाँव के लागों ने इसे एक अवसर माना है। वह अवसर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में आया है। जिसकी जागरूकता के लिए आदर्श गाँव नगलावर के शिक्षक सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने मिलकर 110 परिवारों का रजिस्ट्रेशन किया और 16 से 20 जून तक सभी परिवारों ने ऑनलाइन योग अभ्यास किया। जिससे योग के प्रति लोगों में जागरूकता आयी है।

गाँव मे सभी लोग सामाजिक दूरी का पालन करते हैं।

**परिवारों में योगाभ्यास**

**सेनेटाइजर व मास्क बांटते हुए**

स्वास्थ्य की दृष्टि से पौष्टिक आहार, योगाभ्यास, काढ़ा पीना इन सभी नियमों का कड़ाई से पालन करते हैं। आदर्श गाँव नगलावर में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए ग्रामीणों को हैण्ड-सैनेटाइजर और मास्क वितरित किया गया है। जागरूकता के लिए शिक्षक भैयाओं ने प्रत्येक परिवार में जाकर लोगों को कोरोना से बचने के नियमों को समझाया है, जागरूकता के परिणाम स्वरूप अभी तक नगलावर गाँव में कोई कोरोना मरीज नहीं है।

**हम सबने यह ठाना है,**
**कोरोना को भगाना है।**

और अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें Click Here

# 4 जल-युक्त, नशा-मुक्त गाँव - लोनाँव, गोरखपुर (उ.प्र.)

हमारे जीवन के लिए जल बहुत ही उपयोगी है यह जानते हुए भी हमारे देश के लोग अभी जागरूक नहीं हैं। हम सब जानते हैं जल को बनाना मनुष्य के लिए संभव नहीं किन्तु मनुष्य चाहे तो जल को बचाकर अपने भविष्य को सुरक्षित अवश्य कर सकता है।

इस दिशा में गोरखपुर जिले के लोनाँव गाँव के लोगों नें जागरूक होकर गाँव में आने वाली जल समस्या का समाधान पहले से ही कर लिया है। जल संरक्षण हेतु पंचायत के माध्यम से मनरेगा के तहत दो तालाबों का गहरीकरण किया गया है। पहला तालाब शिव मंदिर के पास तथा दूसरा गागियाँ नामक पोखर का नवीनीकरण कर जल भराया गया है। गर्मी में पशु-पक्षियों के लिए जल की पर्याप्त व्यवस्था हो गयी है।

ग्रामवासियों और सेवाभावियों के सहयोग से एक और प्रेरणादायी काम हुआ है।

जरूरतमंद परिवारों में राशन वितरण

नशामुक्ति रैली कार्यक्रम

पूरा गाँव नशामुक्त हुआ है। गाँव में नशे की कोई भी वस्तु ना तो बनती हैं और ना ही बिकती हैं। गाँव की दुकानें पूरी तरह से नशा मुक्त हो गयी हैं। इस कार्य के लिए गाँव के बच्चे, युवा, महिलाएँ तथा सेवाभावियों नें रैलियाँ, जनसम्पर्क, बैठकें करके गाँव में नशामुक्ति अभियान चलाया, दुकानदारों को प्रेरित किया। यह कार्य प्रारंभ में जितना कठिन लगा, सफलता के पश्चात उतना ही सुखद अनुभव कराता है। युवा वर्ग इस विषय को लेकर सतर्क हैं। बच्चे भी जागरूक हैं परिवार के अभिभावक अपने बच्चों को नशे से दूर रखते हैं। यह कार्य उनके लिए कोई कठिन कार्य नहीं है क्योंकि गाँव में नशे का कोई सामान ही नहीं है। आज लोनाँव गाँव पूरे जिले में पहला गाँव बना है जो पूरी तरह से नशामुक्त है।

और अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें Click Here

## 5 महिला संगठन से स्वावलंबन की ओर - नयागाँव, झज्जर (हरियाणा)

मेरा नाम प्रेमलता है, मैं नयागाँव की रहने वाली हूँ। मेरे समूह का नाम 'शिव शक्ति स्वयं सहायता समूह' है। स्व सहायता समूह को गठित हुए तीन वर्ष हो गए हैं। समूह को बनाने में सूर्या फाउण्डेशन का बहुत बड़ा योगदान रहा है। समूह में जुड़ने से हमें आवश्यकता पड़ने पर आर्थिक सहायता मिलती है। जिसका प्रयोग मैंने 'कपड़े की दुकान' खोलने में किया है। गाँव की महिलाएँ कपड़ा खरीदने के लिए पहले बहादुरगढ़ शहर जाया करती थीं, अब गाँव में ही दुकान खुलने से गाँव की दुकान पर ही कपड़ा खरीदती हैं। जिससे कि उनके समय की बचत होती है और गाँव का पैसा गाँव में ही रहता है। दुकान से हुई आमदनी से मेरे परिवार के खर्च में सहायता हो जाती है। मेरा परिवार भी खुश है और मुझे भी बहुत खुशी मिलती है। मैं सूर्या फाउण्डेशन का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूँ।

और अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें Click Here

## 6 कोरोना काल में मास्क व खाद्य सामग्री का सहयोग - कादीपुर, काशी (उ.प्र.)

आज पूरे भारतवर्ष में कोरोना महामारी बहुत तेजी से बढ़ रही है। इस महामारी से बचने के लिए मात्र एक ही उपाय है, साफ सफाई, सामाजिक दूरी एवं मास्क। इसी को देखते हुए आदर्श गाँव कादीपुर के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने सिलाई केन्द्र पर प्रशिक्षित बहनों द्वारा 2000 मास्क बनाकर गाँव के जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क वितरण किया, जिससे गाँव के लोग सुरक्षित रहें। आज गाँव में कोई भी व्यक्ति अभी तक कोरोना पॉजिटिव नहीं मिला है। यह गाँव के लिए बहुत हर्ष की बात है।

लॉकडाउन के समय गरीब व मजदूर परिवारों में भोजन की परेशानी को देखते हुए सेवाभावी कार्यकर्ताओं द्वारा राशन की व्यवस्था की गई। गाँव के 200 परिवारों को चावल, दाल, आटा, नमक, प्याज, हल्दी आदि सामग्री दी गयी। विषम परिस्थितियों में गाँव उनके साथ खड़ा हुआ यह गाँव के लिए गौरव की बात है।

और अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें Click Here

# 7 चुनौती एक अवसर है 'कोरोना काल' - नांदियाकल्ला, जोधपुर (राजस्थान)

गाँव के विद्यालय प्रांगण में जनसहयोग से पिछले वर्ष 111 पौधों का रोपण किया गया है। गाँव के युवाओं द्वारा समय-समय पर इन पेड़ों के रख-रखाव के लिए श्रमदान किया जाता रहा है।

शहरों में लगातार कोरोना संक्रमण फैलनें के कारण शहर से गाँव की ओर पलायन बढ़ा और गाँवों में प्रवासी ग्रामीणों के लिए 14 दिवसीय क्वारंटीन की व्यवस्था विद्यालय में की गयी। गाँव के लोगों नें क्वारंटीन के समय का सही उपयोग किया और विद्यालय परिसर में श्रमदान प्रारंभ किया। पेड़ों के नीचे जल-भराव की व्यवस्था और ट्यूबबेल / नलकूप लगाकर पाइप की व्यवस्था को ठीक किया, जिससे पेड़ों को पर्याप्त पानी मिल सके। अब इस कार्य में ग्रामीणों और सेवाभावी ने भी मदद की।

प्रधानाचार्य व स्कूल की प्रबंधन समिति ने निश्चय किया है कि इन पेड़ो की सुरक्षा से ही विद्यालय परिसर हरा-भरा होगा और चारों तरफ हरियाली का वातावरण दिखायी देगा। आने वाले दिनों में विद्यालय परिसर मॉडल, पर्यावरण संरक्षण की मिसाल कायम करेगा।

## हिन्दू नववर्ष की छाप-अगली पीढ़ियों के लिए आवश्यक

भारतीय नववर्ष की छाप आने वाली पीढ़ी के लिए जरूरी है। इस वाक्य को साकार करने के लिए गाँव के सेवाभावी कार्यकर्ताओं नें प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आदर्श गाँव नांदियाकल्ला में भारतीय नववर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया। भारतीय नववर्ष कार्यक्रम को सफल करनें के लिए **नववर्ष समिति** का गठन किया गया। इस समिति के अध्यक्ष श्री प्रताप सिंह भाटी जी को मनोनित किया गया। समिति के अध्यक्ष व ग्रामवासियों ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर गाँव के सभी मंदिरों के साथ-साथ गलियों की सफाई करने का काम किया।

गाँव में राम-दरबार की झांकियों के साथ शोभा यात्रा निकाली गयी। घरों, चौराहों और मंदिरो को रंगोली से सजाया गया। गाँव के युवा कार्यकर्ताओं नें घर-घर जाकर **ॐ पताका** वितरण किया, गाँव के लोगों नें **ॐ पताका** को अपनें घर पर लगाया। इस कार्यक्रम में समरसता, आपसी भाईचारा, सहयोग की भावना, आपसी तालमेल देखने को मिला।

और अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें Click Here

## 8 कोरोना से बचाव- हाथ धुलाई केन्द्र - मूण्डला, सिहोर (म.प्र.)

वर्तमान समय में पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है। इस बीमारी से मूण्डला गाँव को सुरक्षित रखने के लिये युवाओं नें परिवारों में सम्पर्क करके लोगों को जागरूक किया। सेवाभावियों द्वारा मास्क बनाकर गाँव के सभी सदस्यों को नि:शुल्क वितरण किया गया। गाँव में सैनेटाइजर का छिड़काव किया गया। सेवाभावी समिति व पूर्व सरपंच श्री कैलाश पटेल जी के सहयोग से गाँव के मुख्य प्रवेश पर सार्वजनिक **सैनेनटाइजर युक्त हाँथ धुलाई केन्द्र** बनाया गया है।

गाँव में आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति हाँथ धोने के बाद ही गाँव में प्रवेश करते हैं। गाँव के सभी लोगों के सहयोग से प्रधानमंत्री राहत कोष व मुख्यमंत्री राहत कोष में पाँच-पाँच हजार रूपये जमा कराया गया है, देश में संकट के समय यह सहयोग गाँव के लिए गौरव की बात है। गाँव को पूरी तरह सुरक्षित करने में कार्यकर्ताओं ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। गाँव में स्वास्थ्य विभाग की टीम समय-समय पर जाँच के लिए आती रहती है। गाँव के लोग सेवा में लगे कर्मचारी व अधिकारियों के प्रति सम्मान का भाव रखते हैं।

और अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें Click Here वीडियो देखें Click Here

## 9 घर-घर बनाई जा रही पोषण वाटिका - सलोई, विदिशा (म.प्र.)

सूर्या यूथ क्लब के युवाओं और सूर्या संस्कार केन्द्र के 40 भैया-बहनों द्वारा अपने घर पर पोषण वाटिका बनाई गयी है। अब ताजी सब्जियाँ घर के ही पोषण वाटिका में उपलब्ध हैं। पोषण वाटिका से लोगों की आर्थिक बचत भी हो रही है। गाँव के लोग आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। इसमें छोटे-छोटे बच्चे ही बड़ी सरलता से घर के आसपास खाली जगह में सब्जियों का उत्पादन में परिवार का सहयोग करते है।

पोषण वाटिका में टमाटर, आलू, हरी-मिर्च, बैंगन, भिण्डी, धनियाँ, आदि सब्जियाँ लगाई गई हैं। बर्तन धुलने के बाद घर से बाहर जाने वाला पानी इन्ही पोषण वाटिका में उपयोग किया जाता है। लॉकडाउन के दौरान यह प्रयोग पूर्णत: सफल रहा है। परिवार के लिए सब्जी का उत्पादन घर पर ही होता है। बारिश के मौसम में वर्षा की सब्जी जैसे लौकी, गिलकी, तोरई, कद्दू, ककड़ी आदि लगाई गई है।

और अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें Click Here

# 10 बसई, काशीपुर (उत्तराखण्ड) गाँव के कार्यकर्ता बनें कोरोना योद्धा

जिस समय विश्वव्यापी महामारी कोरोना पूरे भारत में फैल रही थी उस समय सरकार ने पूरे देश में लॉकडाउन कर दिया था। काशीपुर औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण बसई गाँव के आसपास मजदूर अधिक हैं। इस कारण यहाँ पर लोगों को अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। आपातकालीन समस्याओं से उभरने के लिए **आदर्श गाँव बसई** के कार्यकर्ताओं द्वारा 3 अप्रैल 2020 को बसई चौक शिव मंदिर परिसर में **मोदी रसोई** का शुभारंभ किया गया। रसोई में प्रतिदिन 250-350 लोगों का भोजन बनाया जाता था। इसके साथ ही साथ मोदी रसोई के माध्यम से निर्धन लोगों को राशन, सब्जी आदि वितरण किया गया है।

इस अभियान में **बसई** ग्राम पंचायत के लोगों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। बृजेश पाल जी (सेवाभावी), ओम प्रकाश जी (पूर्व प्रधान), रणधीर कुमार जी (संस्कार केन्द्र शिक्षक), हरीश कुमार (क्षेत्र पंचायत सदस्य) सहित गाँव के कई लोग सहयोग किया। मोदी रसोई अभियान में सामाजिक दूरी और साफ-सफाई के साथ-साथ नियमों के पालन के बारे में जागरुक किया गया। भोजन वितरण के समय श्री तपन कुमार जी, श्री शुभम चमोली (प्लांट हेड), श्री संजीव कुमार (एच.आर. महाप्रबंधक), श्री आशुतोष मिश्रा (एच.आर. प्रबंधक), श्री राजेश कुमार (एस.ओ.), श्री लखपत सिंह (सेवाभावी), श्री राजवीर (जिला संपर्क प्रमुख) सहित अनेक समाजसेवी उपस्थित रहते थे।

राहगीरों को भोजन वितरण करते हुए सूर्या फाउण्डेशन के कार्यकर्ता

जरूरतमंदों को भोजन पैकेट का वितरण किया गया।

और अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें Click Here

# प्रेरक गाँव- हिवरे बाजार, अहमदनगर (महाराष्ट्र)

दो दशक तक सूखे की मार झेलने वाले गाँव- हिवरे बाजार में आज कोई गरीब नहीं है। वर्षा पर निर्भर इस गाँव ने यह दिखा दिया **जहाँ चाह, वहाँ राह।** इस मॉडल को महाराष्ट्र के 1000 गाँवों में अपनाया जा रहा है।

महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित हिवरे बाजार एक समृद्ध गाँव है। 1989 तक इस गाँव की पहाड़ियाँ व खेत बंजर हो चुके थे। लोगों के पास रोजगार नहीं था। गाँव में कच्ची शराब बनती थी। लोग पलायन करने लगे थे। तब गाँव के युवकों ने सुधार का बीड़ा उठाया और अपने एक साथी पोपटराव पंवार को सरपंच बनाया। पोपटराव ने सात सूत्री एजेंडा तैयार किया जिसमें पेड़ कटाई पर रोक, परिवार नियोजन, नशाबंदी, श्रमदान, लोटाबंदी, हर घर में शौचालय व भूजल प्रबन्धन शामिल थे।

पंवार बताते हैं कि अब उनके गाँव की औसत आय 30-35 हजार रुपये है, जो 1995 के पहले 830 रुपये थी। 1990 के दशक में जो लोग यह कहकर चले गए थे कि गाँव में कुछ भी नहीं बचा है, उनमें से 70 परिवार सन् 2000 के बाद वापस लौट आए हैं। गाँव में 50-60 लोगों की सालाना आय 10 लाख रुपए से अधिक है। यहाँ एक भी व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे नही है।

वे बताते हैं कि जब गाँव में हरियाली आई तो पशुधन भी बढ़ा और डेयरी (मुंबा देवी मिल्क सोसायटी) का सहयोग भी मिलने लगा। स्वच्छता के साथ पिछले कुछ वर्षो में शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इस गाँव के लोग पूर्णत: साक्षर हैं और 79 प्रतिशत परिवारों के लोग सरकारी नौकरी करते हैं। गाँव में 38 प्राथमिक शिक्षक, 50 से अधिक ग्रामीण भारतीय सेना में हैं। कुल मिलाकर गाँव की समृद्धि में कृषि, डेयरी के साथ नौकरीपेशा लोगों का भी योगदान है।

**मेरा गाँव, प्यारा गाँव, सुखी गाँव, सुंदर गाँव।**

# आदर्श गाँव की गतिविधियाँ समाचार पत्रों में...

## सूर्या फाउंडेशन आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत हरियाणा में 4500 परिवारों ने फेसबुक लाइव के द्वारा किया योग

सिद्धार्थ शर्मा, समाचार निर्देश,

बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत हरियाणा में 4500 परिवारों ने फेसबुक लाइव के द्वारा परिवार में योगाभ्यास किया। फेसबुक लाइव में योगाचार्य श्री ढाका राम जी का मार्गदर्शन मिला और उनके द्वारा ही योगाभ्यास कराया गया। योगाचार्य ढाका राम जी द्वारा आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया, जिसमें खड़े होकर ग्रीवा संचालन स्कंद संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन, बैठकर किए जाने वाले दंडासन, भद्रासन, वज्रासन, अर्द्ध उष्ट्रासन, उष्ट्रासन, शशांक आसन, उत्तान मंडूकासन, वक्रासन का अभ्यास, ऐसे ही पेट के बल किए जाने वाले मुख्य रूप से मकरासन, भुजंगासन, शलभासन और पीठ के बल के जाने वाले में सेतुबंध आसन उत्तानपादासन, अर्ध हलासन, पवन मुक्त आसन और शवासन का अभ्यास कराया। प्राणायाम में प्रमुख रूप से कपालभाति, नाड़ी शोधन, शीतली प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया श्री राम जी ने बताया कि योगाभ्यास और प्राणायम से इम्युनिटी पावर बढ़ता है जिसके लिए हमें नियमित योगाभ्यास और प्राणायाम करना आवश्यक है। इस कोरोना रूपी महामारी के चलते इस सूर्या फाउंडेशन द्वारा योगा अपनाओ इम्यूनिटी पावर बढ़ाओ के थीम पर पूरे देश में योगाभ्यास कराया जा रहा है। श्री जयप्रकाश अग्रवाल जी द्वारा निरंतर समाज सेवा का कार्य निस्वार्थ भाव से कर रहे है। सूर्या फाउंडेशन और ढूहड़ के सहयोग से पूरे देश में 5 लाख परिवार के 2500000 लोगों द्वारा आज एक साथ अपने परिवार में लाइव योगासन कराया गया इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय नेचरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन और सूर्या फाउंडेशन को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। शत्रुहन लाल कश्यप ने बतलाया कि झज्जर जिले के 20 गाव मे योगाभ्यास संपन्न हुए जिसमे प्रमुख रुप से नयागांव, बालोर, संखोल, कसार, रोहद, जाखोदा, मांडोठी, आसौदा, प्रकाश नगर, बराही आदि गांव के परिवारों में योगाभ्यास किया गया। सूर्या रोशनी के कर्मचारियों द्वारा सामाजिक दूरी को ध्यान मे रखकर योगाभ्यास किया। जिसमे मुख्य अतिथि श्री चन्द्रशेखर शर्मा जी सीनियर मैनेजर सूर्या रोशनी का मार्गदर्शन मिला। उनके द्वारा गीता में बताए गए कर्मयोग के माध्यम से योग का महत्व बतलाया। जिले में ऑनलाइन योगाभ्यास को सफल बनाने के लिए प्रमुख रूप से भंवर सिंह जी प्रांत प्रमुख संजय दलाल, सत्यम, निखिल, नीतीश, रवीना, विनोद शर्मा, गौरव, जतिन, दिव्या, अरुण राजपूत एवं सूर्या रोशनी के कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा।

## सूर्याफॉउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने संकट में गाँव को नशा मुक्ति करने का लिया संकल्प

बांसगांव। इस समय पूरा विश्व कोरोना वायरस जैसे वैश्विक महामारी से जूझ रहा है , इस वैश्विक महामारी से हमारा देश व प्रदेश भी अछूता नहीं है। पूरे देश में लाकडाउन की स्थिति बनी हुई है। इस विकट परिस्थिती में विकासखंड बांसगांव के ग्राम लोनाव की जनता ने इस महामारी को समस्या नही बल्कि एक अवसर समझ कर अपने गाँव को नशामुक्ति का संकल्प लिया !

विगत दो वर्षो से सूर्या फॉउंडेशन के सेवाभावी ,कार्यकर्ता व गाँव के युवाओं ने अपने गाँव को नशा मुक्त करने का संकल्प लिया था ! उस संकल्प को धरातल पर एक स्वरूप प्रदान करने के लिए ग्रामीणों ने जिसे एकजुट होकर जागरुकता के माध्यम से इस कार्य को करने का संकल्प लिया

सूर्या फॉउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने जो अपने गाँव के भविष्य के लिए कुछ करने पर एकता समरसता का जो लिया है वह अन्य गाँवो के लिए एक मिसाल है !

इस अवसर पर सूर्या फॉउंडेशन

कार्यकर्ता अजय सूर्यावंशी, रामकोमल गोड़, रामशबद, दान बहादुर राय,सूरज राय, ग्राम प्रधान अरविंद उर्फ बिट्टू राय, गीता राय व अन्य लोगों उपस्थित रहे।

## ग्रामीणों ने समाचार पत्र वितरक का सम्मान किया

**नवज्योति/सोयला।** क्षेत्र के नांदिया कला गांव में समाचार पत्र वितरक कोराना योद्धा के रूप में सम्मानित किया । नांदिया कला में सूर्या फाउंडेशन तथा महाराणा प्रताप यूथ क्लब के युवाओं ने आज इस विकट कोरोना वायरस में भी समाज में एक योद्धा की भूमिका में खड़ा होकर सेवा करने वाले बंधुओं का स्वागत किया गया। स्वागत का मुख्य ध्येय इन योद्धाओं का मनोबल बढ़ा रहे, इनको लगे की समाज हमारे साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा है इसी कड़ी में बावड़ी पंचायत समिति क्षेत्र में जोधपुर से लाकर स्थानीय वितरक तक अखबार उपलब्ध कराने वाले भाई दिनेश रानेजा का सोशल डिस्टेंस को ध्यान में रखकर युवाओं ने गुलाल गुलाल छिड़क कर अभिनंदन किया साथ ही युवाओं ने इस कार्य में लगे हुए बंधुओं को सम्मानित करने की दिशा मे सभी के लिए ताली बजाकर और उद्घोषक बोलकर अभिनंदन किया इस कार्यक्रम में भीख पुरी गोस्वामी क्षेत्र प्रमुख सूर्या फाउंडेशन किशन सिंह पवार, गणेश, सोनी बाबूलाल दर्जी सुनील जैन सरवन नाथ हनुमान राम प्रजापत मोहनपुरी ओम प्रकाश शर्मा भीरा राम मेघवाल मनीष सोनी अर्जुन सिंह भाटी रणजीत सैन, जेठाराम मेघवाल, प्रेम टेलर सहित अनेक युवाओं की सहभागिता रही ।

## सूर्या फाउंडेशन ने गांव बसई में बांटी सिलाई मशीने

काशीपुर एक्सप्रेस, काशीपुर

काशीपुर। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना की ओर से आदर्श गांव बसई का मजरा में सिलाई मशीन वितरण की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सूर्या रोशनी लिमिटेड एचआर महाप्रबंधक संजीव कुमार, सूर्या फाउंडेशन प्रमुख नीतीश कुमार, भाजपा ग्रामीण मंडल महामंत्री बृजेश पाल, एवं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर लखपत सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि की ओर से मां दुर्गा के चरणों में दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सूर्या फाउंडेशन की ओर से सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से गांव की बालिकाओं माताओं एवं बहनों को स्वयं पर निर्भर बनाना एवं सिलाई प्रशिक्षण के माध्यम से स्वावलंबन एवं रोजगार सृजन करना। सिलाई के माध्यम से स्वयं पर निर्भर बनाना और अपने कार्य के साथ-साथ परिवार के कार्य को भी कर सकें इस हेतु सिलाई प्रशिक्षण केंद्र चलाया जा रहा है। वहीं केंद्र पर महिलाओं को विभिन्न प्रकार की वस्तुएं बनाना सिखाया जाता है जैसे सलवार सूट, ब्लाउज, कढ़ाई बुनाई इत्यादि समस्त प्रकार की सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। क्षेत्र प्रमुख ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के अंतर्गत उधम सिंह नगर के काशीपुर क्षेत्र में आसपास के 14 गांव में कार्य कर रहे। जिसमें हरियावाला, बाबरखेड़ा, लालपुर, गढ़ीनेगी, गिन्नीखेड़ा, बांसखेड़ा, नवलपुर, करणपुर, इन समस्त गांव में कार्य चल रहा है भाई इन सभी गांव में विभिन्न प्रकार के प्रकल्प के माध्यम से आदर्श गांव बढ़ाने की ओर अग्रसर है जिसमें सूर्या बाल संस्कार केंद्र सूर्या यूथ क्लब प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से महिलाओं बच्चों एवं युवाओं को जोड़ते हुए कार्य चल रहा है। इस अवसर पर महिला शक्ति संगठन के समस्त सदस्य एवं राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत चल रहे स्वयं सहायता समूह लक्ष्मी, गौरी, सरस्वती, राधिका, सुदीक्षा लक्ष्मी, स्वयं सहायता समूह के सदस्य गण भी उपस्थित रहे।

## सूर्या फाउंडेशन चलायेगा जनजागरण अभियान

( सवांदादाता प्राईम काशीपुर )

काशीपुर। आदर्श गांव बसई चौक पर सूर्या फाउंडेशन की बैठक में कार्यकर्ताओं ने तय किया कि आगामी दिनों में वह जल संरक्षण के विषय में जनजागरण अभियान चलायेंगे। जनजागरण अभियान के तहत किसानों के बीच में संगोष्ठी कर उन्हें खेती की आधुनिक शिक्षण की विधियों को उपयोग में लेने, बागवानी खेती में ड्रिप स्टिम उपयोग में लेने के लिए प्रेरित करने एवं खेती में उन फसलों को बढ़ावा देने जो कम पानी में अधिक पैदावार दे आदि विषयों पर विचार किया गया। साथ ही गांव में जागृति पैदा करने के लिए सूर्या संस्कार केंद्र के युवाओं के द्वारा जनजागरण रैली सहित अनेक प्रकार की प्रतियोगिताएं का आयोजन किये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में राजेंद्र हिंदुस्तानी, लखविंदर, अरविंद, रवि कुमार, हरीश कुमार, रणधीर सिंह सैनी, शिव स्वामी, रोहित, पंकज, नितीश कुमार आदि मौजूद रहे।

### ग्राम पेंड्री के कबीर आश्रम में हुई संगोष्ठी

## अब जैविक खेती पर जोर दे रहे किसान

सुकुलदैहान (राजनांदगांव)। नईदुनिया न्यूज

समीपस्थ ग्राम पेंड्री में रविवार को किसान संमेलन किया गया। मुख्य एजेंडी जैविक खेती को बढ़ाने को लेकर प्रोत्साहन था। इसमें आसपास गांव के दर्जनों किसानों ने सहभागिया निभाई। बाहर से आए वैज्ञानिकों ने उन्हें जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया। उसके फायदे के बारे में बताया गया।

सूर्या फाउंडेशन एक समाजिक संस्था है जो कि पूरे देश में आदर्श ग्राम योजना के तहत समग्र ग्राम विकास का कार्य कर रहीं हैं। इसी योजना के तहत सूर्या फाउंडेशन के तत्वावधान में एक

प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। ● नईदुनिया

दिवसीय जैविक खेती एवं जलवायु परिवर्तन अधारित खेती पर किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें जैविक खेती कृषि वैज्ञानिक सुजीत चौहान नागपुर (महाराष्ट्र) और शिवराज वाडे मधयप्रदेश ने अपने विचार विमर्श रखे। साथ ही क्षेत्र के बहुतायत किसानों ने जैविक खेती के बारे में अपने-अपने अनुभव को रखा।

**ये रहे कार्यक्रम में मौजूद**

कार्यक्रम में विशेष रूप से ग्राम पंचायत पेंड्री की सरपंच लता अजय सिन्हा, नेतराम साहू ग्राम पटेल, आजूराम ठाकुर पूर्व सरपंच खैरा, हरिप्रसाद शुक्ला, दुरगेश साहू, सुरेश सिन्हा गातापार, योगदास साहू, सनंद टंडन, वि तिवारी के साथ ही अनेकों किसानों की उपस्थिति थी।